No. of Printed Pages : 3 **MJY-001**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.जे.वाई.-001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. संस्कृत वाङ्मय से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत भाषा के उद्भव तथा विकास पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

2. वेदांग साहित्य का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र का परिचय लिखिए।

4. ज्योतिष की उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. सिद्ध कीजिए कि ज्योतिषशास्त्र वेदांग है।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र का ज्ञान किस प्रकार उपयोगी है ? विस्तृत उल्लेख कीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र समाज के लिए उपयोगी ह। पठित अंश के आधार पर तार्किक विश्लेषण कीजिए।

3. पर्यावरण और ज्योतिष में क्या सम्बन्ध है ? उल्लेख कीजिए।

4. ज्योतिष में दिवस व तिथि क्या हैं ? वर्णन कीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के आधुनिक काल के आचार्यों का वर्णन कीजिए।

6. ज्योतिष स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी है, तथ्यपरक वर्णन कीजिए।

7. संक्षेप में त्रिस्कन्ध ज्योतिष का वर्णन कीजिए।

8. ज्योतिषशास्त्र में वराहमिहिर के योगदान का वर्णन कीजिए।